

DPN 6218

Title: महाबू गुथिया ल्याःचाः MAHĀ BŪ (BUDDHA) SUTTHIYĀ LYĀH CĀH

Run. No. 6909

Cat. No.

Micro. No.

Subject ल्याःचाः / Account

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 13 x 6

Folios 13

Lines (in a page) 14 / 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

गरगेशरत्न शाक्य

Date: NS / SS / VS / KS 940, 912, 990, 932

Ruler / place

Ganesha Ratna Sakyas

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.: Remark

Material: palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

Price of paddy 14 pathi for one  
rupee (NS 932) settled as  
noted down for future purpose.  
दिप्पत्ती  
गुठिया मिहिं तका दिमा वा १४ फा कोदिना  
आमलेव तमा वा ११ न.स. ९३२ छ /







३३ तम वर ७१२ प्रितिकालिक बुदि १२ स लुथ मयूच  
 यत्र पिका प्रगिदय का ७ गया ॥ गुथ जल गुद प्रमिश्र  
 ना प्रसंगति प्रुतिशु सिं धुति स मयूच दय को ॥  
 तै मयूच २५० साली मम दहिया ड्रेन — मोह १२ ॥

सावन २२२ साली मम दहिया ड्रेन — मोह  
 नकाशः

कालि क क क यामे ३  
 निरु नकि प्रजा जा यामे  
 या नव प्रजा  
 क १ क २ धाकि  
 धाकि १ नाः क १  
 क १ वाकि  
 को नय दधवा १ प्रम  
 य नवा १ प्रम  
 ल १ वा







प्रज्ञावसिष्ठः ॥ १ ॥  
आत्मनो वसुधै ॥

पूजाय नमः ॥ ३ ॥

सर्गो ध्यानपात्रः ॥ ५ ॥

वसिष्ठकिं ध्येयं ॥ १२ ॥

॥ ३ ॥ उपनिषद् ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥



20 15 10 5 0

वो गययागनप गका ना भास  
वागय वा १२ यासागा १२  
ननपधि वाक् प्राविहिना  
पला गाडः साच्यसापिखिहा  
हापला इ लो कयउभापवे  
धविजालः फमला वगाप  
पिपा ४ क १ व डि क यमास  
धलसा धन धुसिपाललाक  
पूलयसाव जक १ हिनापिना  
गाडः पाथिपा ४ गयमास

डांजनाशनयाग ५  
पूजा इ १ पंचमास  
सर्वाधनिपा २  
धमपि इ १  
यासागा १ धिउनमास  
इ १ अक  
गुता इ मागा इ पानिल  
अर्विव लिखा क पञ्जावय  
धुमियाव डि ज्ञार्प विद्यपूपा  
वाकि एक सर्वार्थ क्रमिना  
व डि ज्ञायमास  
ज्ञातयाय र क वाग गुता  
पागा इ उधर्मी १ सनिकादि  
अर्पा पूजा वयपुर्मी १ स इ को  
इ ज इ इ जो ५

centimeter 5 10 15 20 25



पातनाकयागैरुयक  
 १० १ क २ क ग या  
 व ३ स्वनि ४ ३ भ म कि  
 ५ १६ द १ २ ३  
 ५ पा ५ १ गो कि  
 व १ पा १ २ गो कि  
 १ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०  
 १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०  
 १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०  
 १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

पुनरावृत्ति २३२ नि नि का ल क लु क या १२ स गु  
 प नि सि म नि दु सि गु व रु म नि गु थि ध प नि स्व भ स  
 स म स य न द स या रा अ का या थ श ल स न री न का या जि  
 थ रा अ १४ ह का या म या पा ल श ल स न री श्री ३ म  
 स व रु थि स रा अ वि या न या रु ला भु ग ॥ ॥ ॥ ३९  
 १० ४ स ले ज नु ध या पा ल म नु मा ह त का १ ॥ ॥ ॥



सप्तमं ३७ निकायिकं कृष्ण १२ सगुणं समन्वयनं  
 \* महावलि मां जाकिउम जा राओ गुथया रु स प  
 \* जालला के नना अधलि चिमा काय रु लो १॥ \*  
 १॥ सप्तमं ३७ निकायिकं कृष्ण १२ सगुणं  
 मन्वयनं महावलि मां जाकिउम जा राओ गुथया रु  
 रु क्षा ना वा कि दको जक दाम चि मा ल्या ख सय

१ भम सवत २५३ मितिकांतिक सुक्ता १२ सम  
 हावलि या ल्या पस्वया भाज मुनि त्रुथि सवि  
 साभा ३ अधलि ॥ ॥  
 \* सप्तमं २६६ सालं जुमा सिंया हेतु मोहत का ७३  
 ल सुभम २६६ साल भिमत र सिंया हेतु  
 मोह सिंया का ७३







सुहा संव २४०। किं करि कछु दि १२ स ३।  
महाबलि पाथेल काय मायदास व पासा  
का प्र हा क प्र व मा क्क पा के काय अम मनि  
१५ महाबलिया रुं मनि १ वजि रुं न मनि  
१३ अम पिठ पिंठ थयन ग्यां पा रु या न थल  
मथ वि स उ रुं १ वि कं महाबलि या न सप

सुहा संव २३१। किं करि कछु दि १२ स महाब।  
+ मायुधि हा न स म वयन

श्री महाबलि स कुरु मां वा सैव पा थ घेल स  
थ कू या संव न पां म थ वैल स धन मा पा ल  
न मा नं न स कुरु मा प्र का थ थ रु ल



[illegible]

संस्कृत २५१ लोह  
यथावातं द्रुमा २३॥

सुतसमस्त २६ मिका। लिकलु १२ समुधि सम  
नयेन ज्ञेयं नव समुधि ४ स उपडी यम दूरे  
लु ४॥ ० ॥ सवत ५० मेल शङ्ख यया वाल  
लनदु माद ३ अक्षाल











२ संस्क ५७३। मको निकुं दि २२ सा  
 मा सो पा जि गु धि सत्या ष स्या वि ध म  
 नि या वा रं गु धि स द्वा क सा ह ४ ऊ धि  
 ग्वा धि वा द्वा ॥

संवत् ५७५ मिति का ति गुं १२ अत्या  
 ष स्या वि द्वा पति धा का ति या पा ल्या ष  
 वि पा ति गुं क म्वा २ मा ह धा मो ॥ शु लो  
 शु र् ने पा म म्वा १००२ साल जी म न र्धि या  
 ने पा धे वा न का २ शु लो शु र्मा



